ग्राम पंचायत के सदस्यों के लिए क्षय या टीबी (ट्यूबरकुलोसिस)

पर स्वास्थ्य कार्यपुस्तिका

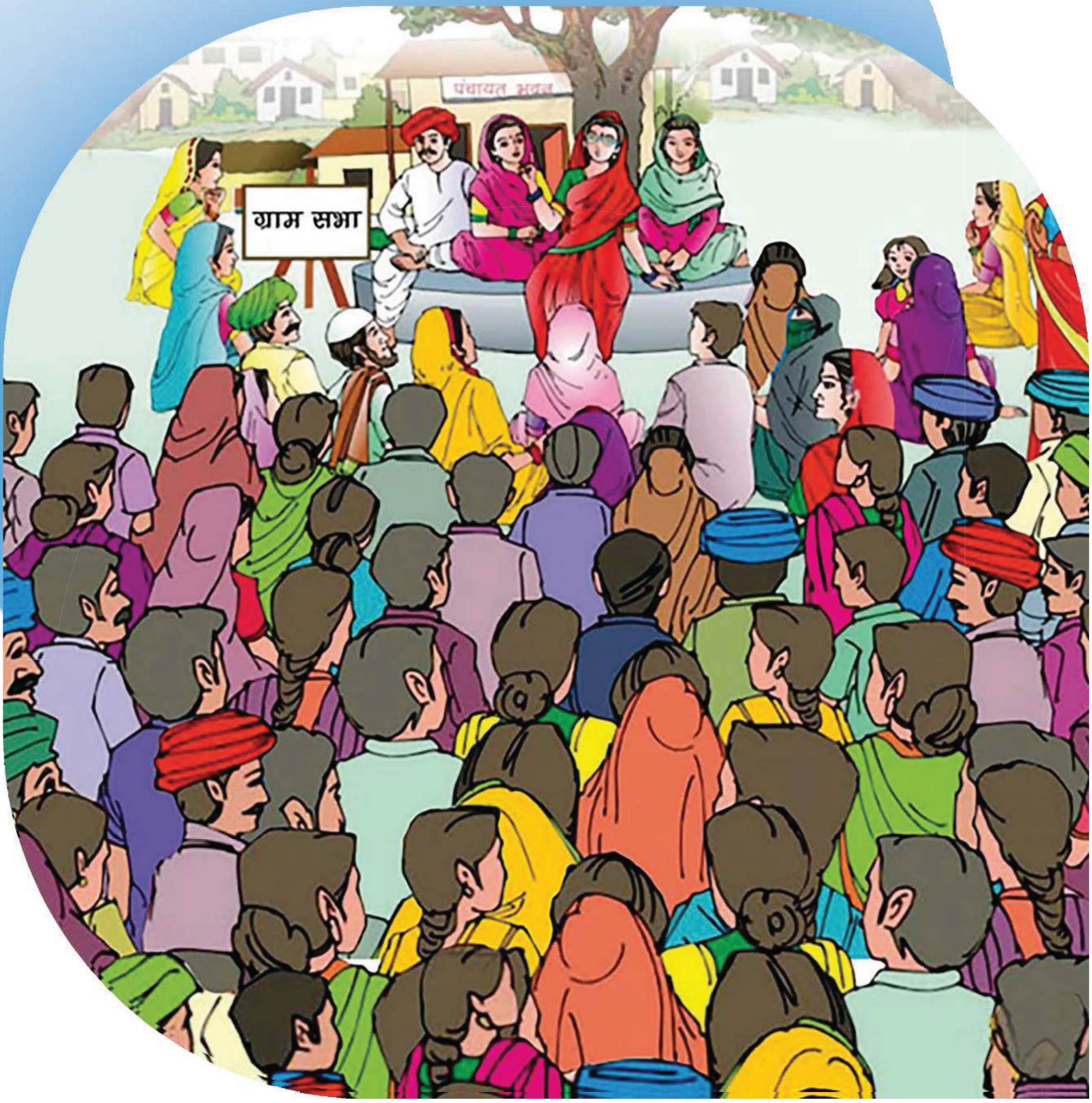

सदस्य का नाम : ....

पंचायत, ब्लॉक, जिला, राज्य का नाम : ....

कार्यपुस्तिका प्राप्त करने की तिथि : ....

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, हिमाचल प्रदेश

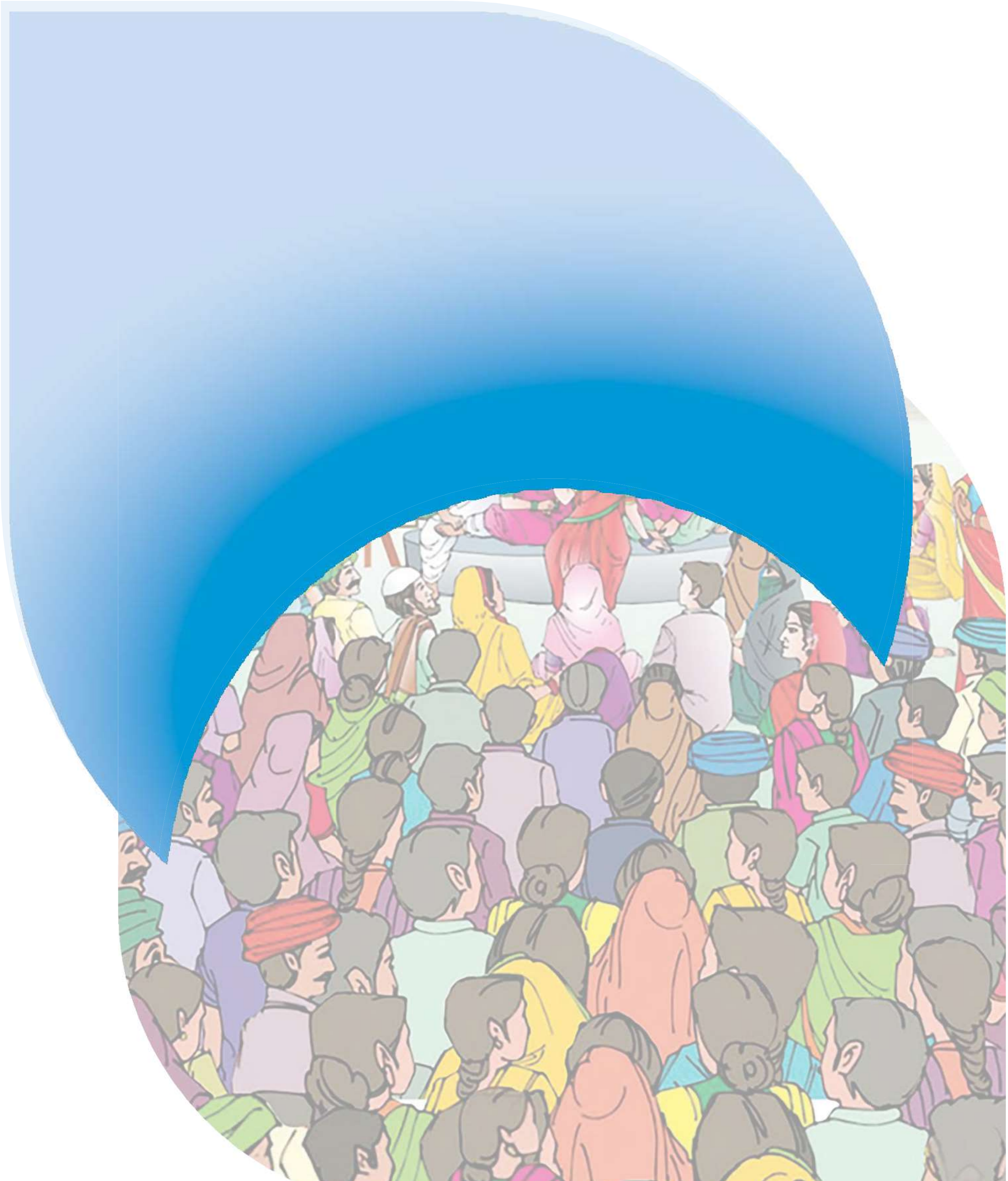

लघुरूप

एएनएम	सहायक नर्स मिडवाइफ (ऑक्सीलियरी नर्सिंग मिडवाइफ)
आशा	मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एक्रीडिएट सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट न्युट्रिशन कमिटी)
डीआर–टीबी	दवा प्रतिरोधी क्षय रोग (ट्यूबरकुलोसिस)
पीडीपी	पंचायत विकास योजना
एचआईवी	ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएन्सी वायरस
मनरेगा	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (महात्मा गाँधी नेशनल रूरल एम्प्लाइमेंट)
एनपीवाई	निःक्षय पोषण योजना
पीएलएचआईवी	एचआईवी के साथ जीने वाले लोग (पीपुल लीविंग विथ एचआईवी)
टीबी	क्षय रोग (ट्यूबरकुलोसिस)
टीपीटी	टीबी प्रिवेन्टिव ट्रीटमेंट (ट्यूबरकुलोसिस यूनिट प्रिवेन्टिव थेरेपी)
टीयू	टीबी यूनिट (ट्यूबरकुलोसिस यूनिट)
वीएचआईआर	ग्राम स्वास्थ्य सूचकांक रजिस्टर (विलेज हेल्थ इंडेक्शन रजिस्टर)
वीएचएसएनसी	ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति (विलेज हेल्थ, सैनिटेशन एंड न्युट्रिशन कमिटी)

क्षय रोग (टीबी)

टीबी एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे लोगों में हवा (खांसने, छींकने या पास से बात करने) के माध्यम से फैलने वाले बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है। टीबी से आम तौर पर फेफड़ों पर प्रभाव होता है, लेकिन इससे शरीर के अन्य सभी हिस्सों (बालों, नाखूनों और दांतों को छोड़कर) पर भी प्रभाव हो सकता है।

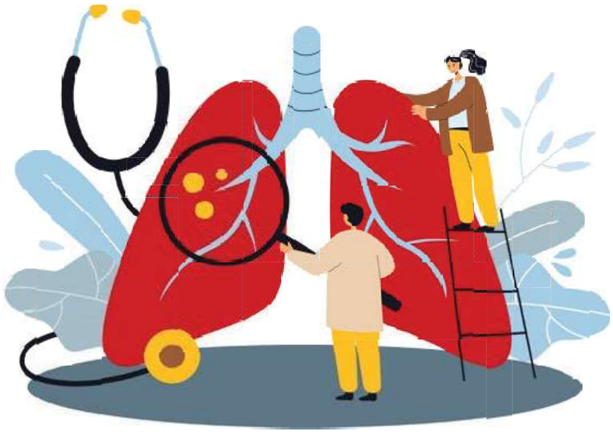

दवा प्रतिरोधी–टीबी

यदि टीबी रोग से प्रभावित लोग गलत दवा लेते हैं या इलाज के दौरान अपनी दवा लेना बंद कर देते हैं, तो उनमें दवा प्रतिरोध वाला टीबी (डीआर–टीबी) विकसित हो सकता है, फिर इन पर टीबी की मुख्य दवाओं में से एक या कई दवाओं का असर नहीं होता है। डीआर–टीबी एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे लोगों में भी फैल सकता है। टीबी के इस रूप का इलाज करना भी अधिक कठिन होता है और इलाज की लंबी अवधि (6–20 महीने) होती है।

टीबी के आंकड़े – भारत*

भारत में हर साल लगभग 29.5 लाख लोगों को टीबी होती है।

भारत में 1.19 लाख लोगों को डीआर–टीबी है

*(World TB Report, 2022)

टीबी के लक्षण

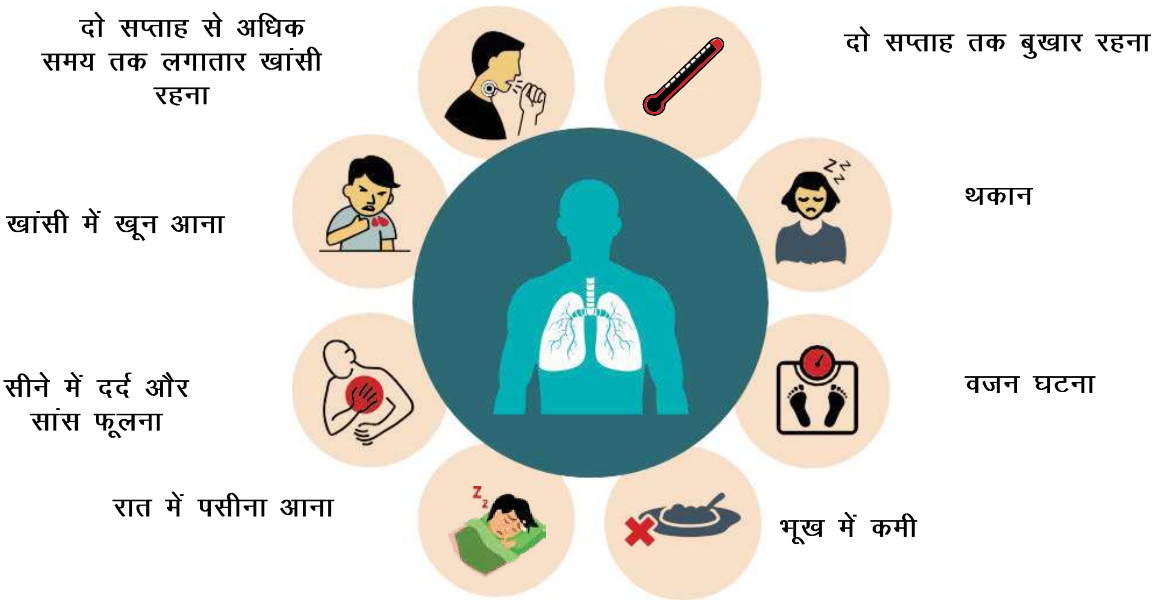

टीबी संक्रमित व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सेवाएं और सहायता

- टीबी की जाँच और इलाज की सुविधाएं समस्त एचडब्ल्यूसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, एवं जिला अस्पतालों पर निःशुल्क उपलब्ध हैं।

- सरकार से संबद्ध निजी क्षेत्र के अस्पतालों से जाँच और उपचार निःशुल्क प्रदान किया जाता है।

- टीबी रोगी को पोषण के लिए निःक्षय पोषण योजना के तहत रुपए 500 प्रतिमाह सीधे उसके खाते में दिए जाते हैं। आदिवासी क्षेत्र में रहने वाले टीबी रोगी को रुपए 750 (एकबार) दिए जाते है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए रोगियों को आशा/स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ अपना बैंकिंग और आधार नम्बर साझा करना आवश्यक है।

- टीबी प्रिवेन्टिव थेरेपी (टीपीटी):– यह फेफड़े के टीबी के रोगी के साथ रहने वालों, पाँचसाल से छोटे बच्चों तथा एचआईवी ग्रस्त लोगों को दी जाती है। इस दवा से उनमें टीबी रोग से बचने में मदद मिलती है। जब भी टीपीटी की दवा दी जाए तो हमेशा उसका कोर्स पूरा करना चाहिए।

टीबी पर प्रमुख संदेश

- टीबी की बीमारी किसी को भी हो सकती है और इसका पूर्ण इलाज संभव है।
- यदि टीबी के रोगी का इलाज न किया जाए तो वह हर साल 10–15 लोगों को संक्रमित कर सकता है।
- टीबी रोग का पता चलते ही उसका इलाज शीघ्रतम शुरू कर देना चाहिए। जिसका इलाज जल्दी से शुरू कर देना चाहिए। उपचार के 2–3 महीने के अंदर टीबी से ग्रस्त लोगों से दूसरों में टीबी फैलने की संभावना काफी कम हो जाती है।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार टीबी का इलाज पूरा करना सबसे महत्वपूर्ण है। टीबी का इलाज पूरा न होने पर दवा प्रतिरोधी टीबी होने की संभावना होती है।
- टीबी से पीड़ित लोगों को खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक को ढकना चाहिए और बताए गए नियमानुसार दवाएं लेनी चाहिए।
- टीबी ग्रस्त व्यक्ति के बलगम को उचित तरीके से दबाकर नष्ट करना चाहिए।
- टीबी से पीड़ित लोगों को अलग–थलग या उनके साथ भेदभाव न करें, बल्कि उनके ठीक होने में उनके और उनके परिवार की मदद करें।
- टीबी से पीड़ित व्यक्ति को ठीक होने में पौष्टिक आहार (दाल, सब्जियां, अनाज, मांस आदि) महत्वपूर्ण होता है।

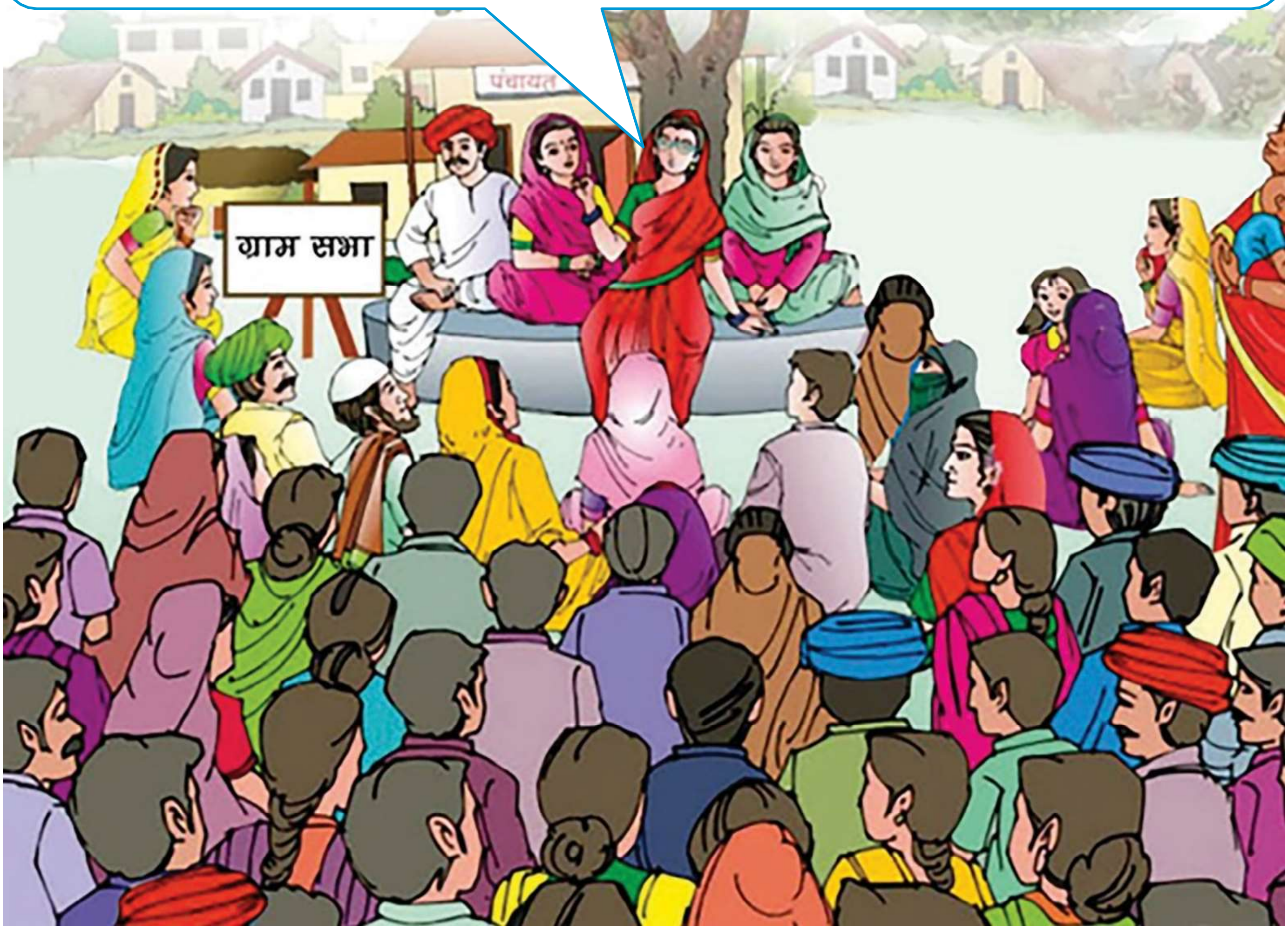

Indicators For TB Mukt Panchayat			
Sr. No.	**Indicator**	**Description**	**Target**
1	Number of Presumptive TB examination/1000 population	Numerator: Number of presumptive persons examined in the year.	>= 30 per 1000 (for the year) in the panchayat
		Denominator: Total Population of the Panchayat in the year	
2	TB Notification rate/1000 population	Numerator: Number of TB cases notified (all types) in the year	<=1 per 1000 (for the year) in the panchayat
		Denominator: Total Population of the Panchayat in the year	
3	Treatment Success Rate	Numerator: No. of TB patients with treatment outcome given as success i.e. either cured or treatment completed	More than 85%
		Denominator: Net TB Patients notified during the same period previous year	
4	Drug Susceptibility Test Rate	Numerator: Number of microbiologically confirmed TB patients with available result for at least Rif-resistance in the year	Atleast 60%
		Denominator: Net TB Patients notified during the same period previous year	
5A	Ni-kshay Poshan Yojana	Numerator: Number of TB patients paid at least one instalment in year	100%
		Denominator: Number of Eligible TB patients in the year in the panchayat	
5B	Nutritional support to TB patients under Pradhan Mantri TB Mukt Bharat Abhiyaan	Numerator: Number of TB patients received nutrition support in the year	100%
		Denominator: Number of TB patients consented in the year in the panchayat	

टीबी मुक्त पंचायत के लिए किए जाने वाले कार्य

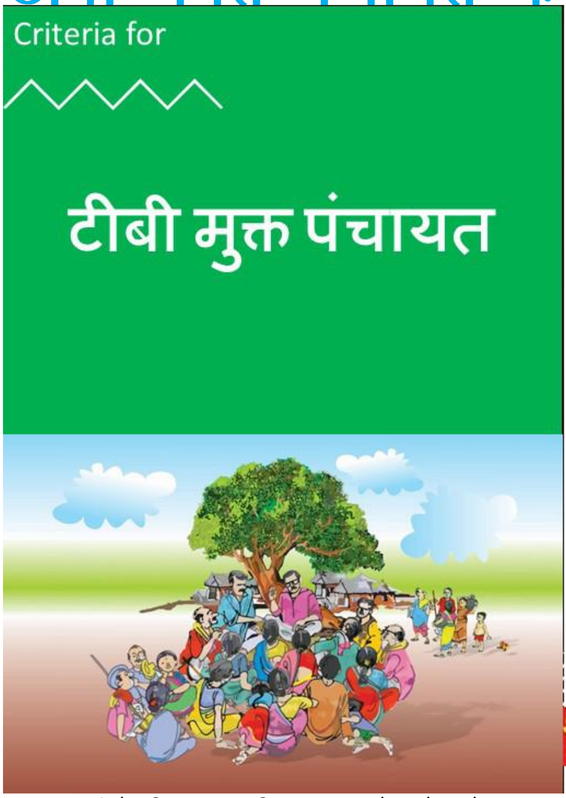

1. प्रत्येक एक हजार लोगों पर संभावित टीबी रोग परीक्षण दर 30 से अधिक होना चाहिए !
2. प्रत्येक एक हजार जन संख्या पर 1 या उससे कम टीबी रोगी होना चाहिए।
3. पंचायत में कुल टीबी रोगियों में से 85 प्रतिशत टीबी रोगियों द्वारा अपना इलाज सफलतापूर्वक पूरा किया जाना चाहिए।
4. बलगम की जांच द्वारा टीबी पॉजिटिव पाए गए सभी रोगियों में से 60 प्रतिशत टीबी रोगियों के पास UDST जांच होनी चाहिए।
5. ग्राम पंचायत में टीबी का इलाज ले रहे सभी टीबी रोगियों को कम से कम एक किस्त निक्षय पोषण योजना के तहत प्राप्त होना चाहिए।
6. ग्राम पंचायत में सहमति दिए हुए सभी टीबी रोगियों को निक्षय मित्रो द्वारा पोषण सहायता प्राप्त होनी चाहिए।

कृपया नीचे दिए गए रिक्त स्थानों को भरें :

पंचायत की जनसंख्या : ____________________

हर साल कितने लोगों की टीबी जांच होनी चाहिए : ____________________

(ग्राम प्रधान, वीएचएसएनसी सदस्य, पंचायत सदस्य, सीएचओ, एएनएम, ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा, और उनके गांव को उनके काम के लिए सम्मानित किया जाएगा।)

टीबी केसों की निगरानी थीम 2 को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण होती है : जैसा कि पंचायती राज मंत्रालय द्वारा स्वस्थ गावों की परिकल्पना की गई है।

ग्राम प्रधानों को इनसे मदद मिलेगी :

जिला टीबी अधिकारी____________________फोन नं.____________

खंड विकास अधिकारी____________________फोन नं.____________

जिला क्षय रोग अधिकारी____________________फोन नं.____________

सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर (एसटीएस)____________________फोन नं.____________

पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) में टीबी को शामिल करें

पंचायती राज मंत्रालय और ग्राम विकास मंत्रालय द्वारा जारी पीडीपी दिशा निर्देशानुसार ''क्षय रोगियों के इलाज की सुविधा शत प्रतिशत मौजूद है'' जिसमें पंचायत टीबी मुक्त हो सके। इसमें टीबी की दवाईयां निःक्षय पोषण योजना, बलगम ले जाना, अतिरिक्त पोषण व सामाजिक सहायत, जन साझेदारी, सक्रिय खोज अभियान है।

ग्राम प्रधानों को पीडीपी योजनाओं की तैयारी में, निम्नलिखित गतिविधियों को शामिल करने के लिए बजट का प्रावधान करना चाहिए :

- क्षय रोगियों एवं संभावित क्षय रोगियों के लिए स्वास्थ्य केन्द्र का भ्रमण
- चेकअप और जांच के लिए बलगम ले जाने की व्यवस्था करना
- भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रदर्शन और कार्यक्रमों (नुक्कड़ नाटक, दीवार पेंटिंग, पोस्टर, बैनर आदि) के माध्यम से टीबी संदेशों का प्रसार
- जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से अपने गांवों में विश्व टीबी दिवस मनाएं जाने हेतु योजना
- आबादी के कुछ वर्गों के लिए अतिरिक्त पोषण सहायता प्रदान करना (जैसे, गरीबी रेखा से नीचे की आबादी, दवा–प्रतिरोधी टीबी वाले लोग और बुजुर्ग)
- टीबी से पीड़ित लोगों को ग्राम प्रधानों के दायरे में आने वाली मनरेगा जैसी किसी भी मौजूदा सामाजिक सहायता/रोजगार योजना से जोड़ना

ग्राम प्रधानों को किसी भी अतिरिक्त टीबी से संबंधित गतिविधियों के लिए बजट के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो स्थानीय संदर्भ के अनुकूल हो।

टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और ग्राम समितियों और बैठकों के माध्यम से कार्यक्रम सेवाओं की निगरानी करना

ग्राम प्रधानों को टीबी प्रोग्रामिंग की निगरानी के लिए वीएचएसएनसी जैसे मौजूदा प्लेटफार्मों का लाभ उठाना चाहिए और मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं और अन्य वीएचएसएनसी सदस्यों के साथ काम करना चाहिए।

- सामुदायिक बैठकों का उपयोग समुदाय से जाँच और उपचार में चुनौतियों के बारे में और समुदाय को टीबी से पीड़ित लोगों के लिए उपलब्ध सरकारी सहायता के बारे में अवगत कराएं।
- टीबी के बारे में जानकारी साझा करने के लिए ग्रामीण मेलों, चौपालों और स्कूल के कार्यक्रमों जैसे अन्य सामुदायिक समारोहों का लाभ उठाएं।

कृपया टीबी के बारे में संदेश साझा करने के लिए आप किस प्रकार की सामुदायिक बैठकों का उपयोग कर सकते हैं, इसके उदाहरण लिखें

- टीबी से पीड़ित निराश्रित महिलाओं की सहायता करने या टीबी से पीड़ित गरीब परिवारों की सहायता के लिए वीएचएसएनसी अनटाइड फंड (वार्षिक 10,000 रुपए) का उपयोग करें।

कृपया उदाहरण लिखें कि आप वीएचएसएनसी की अनटाइड फंड का उपयोग करके टीबी से पीड़ित लोगों और उनके परिवारों को किस प्रकार की सहायता कर सकते हैं

कृपया प्रत्येक वीएचएसएनसी बैठक के दौरान (हर महीने) नीचे दी गई तालिका भरें

पूछे जाने वाले प्रश्न	माह 1	माह 2	माह 3	माह 4	माह 5
आशा					
माह में संभावित टीबी से पीड़ित लोगों की संख्या					
माह में पहचाने गए टीबी मरीजों की संख्या					
माह में बैक्टीरियोलॉजिकल पुष्टि वाले मरीजों में डीएसटी (नाट) जाँच की संख्या					
माह के दौरान टीबी उपचार प्रारंभ करने वाले लोगों की संख्या					
निःक्षय पोषण योजना का लाभ उठाने वाले टीबी रोगियों की कुल संख्या					
अतिरिक्त पोषण सहायता प्राप्त करने वाले टीबी रोगियों की संख्या					
टीपीटी लेने वाले लोगों की संख्या (टीबी प्रिवेन्टिव ट्रीटमेंट)					
अन्य वीएचएसएनसी सदस्य					
वीएचआईआर में इन्डीकेटर की रिकॉर्डिंग टीबी सुचकांको का अभिलेखन? (हां या नहीं भरें)					

माह 6	माह 7	माह 8	माह 9	माह 10	माह 11	माह 12
आशा						
अन्य वीएचएसएनसी सदस्य						

जब आपके पास कोई व्यक्ति टीबी के लक्षणों के साथ आता है, या कोई आपको सूचित करता है कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसे टीबी हो सकता है, तो क्या करें?

- मौजूदा लक्षणों के बारे में पूछताछ करें और व्यक्ति को सामान्य टीबी लक्षणों के बारे में सूचित करें। इनमें 2 सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, खांसी में खून आना, हल्का बुखार, रात को पसीना, सीने में दर्द और सांस फूलना, थकान, वजन कम होना और भूख न लगना शामिल हैं।
- यदि उनमें टीबी के कुछ या सभी लक्षण हैं, तो उन्हें डॉक्टर से सम्पर्क कराने और टीबी की जांच कराने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उन्हें किसी आशा कार्यकर्ता के पास भेजें, जो उन्हें निकटतम स्वास्थ्य ईकाई के बारे में जानकारी प्रदान करें।
- उन्हें याद दिलाएं कि टीबी किसी को भी हो सकता है और इसका पूर्ण इलाज संभव है।
- उन्हें सरकार द्वारा टीबी के लिए मुफ्त इलाज और उचित सहायता योजनाओं के बारे में सूचित करें

आप सामुदायिक बैठकों और कार्यक्रमों में जाते हैं तब क्या करना चाहिए

- टीबी के खिलाफ प्रचलित भ्रांतियों के बारे में बताएं एंव मिथकों और गलत अवधारणाओं को दूर करें।
- लोगों को टीबी के सामान्य लक्षणों और जोखिम कारकों के बारे में सूचित करें।
- यह स्पष्ट करें कि टीबी पूरी तरह से इलाज योग्य है टीबी से प्रभावित लोगों के साथ रहना सुरक्षित है
- लोगों को प्रोत्साहित करें कि यदि उन्हें या उनके परिवार में किसी को टीबी के लक्षणों का अनुभव हो रहा है तो आशा कार्यकर्ताओं से सलाह लें एवं डाक्टर से सम्पर्क कर जाँच कराएं।

आप जब ब्लॉक स्तर (जन आरोग्य समिति और पंचायत समिति) की बैठकों में भाग ले रहे हैं या प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं तब क्या करें।

- वीएचएसएनसी की बैठकों में या फील्ड में आई चुनौतियों को चिकित्सा अधिकारी के साथ साझा करना।
- ऐसे टीबी चैंपियंस की भागीदारी सुनिश्चित करें जिन्होंने बीमारी पर काबू पा लिया है ताकि वे अपने प्रतिरोध क्षमता के सफर और ठीक होने के तरीके के बारे में बात कर सकें।
- टीबी मरीजों की देखभाल करने वाले गांव के सदस्यों के साथ साझा करने के लिए डॉक्टर, केमिस्ट लैब आदि के साथ ब्लॉक स्तर पर टीबी की देखभाल करने वाले प्रदाताओं की एक सूची प्राप्त करें।

ग्राम पंचायत सदस्यों के लिए एक जांचसूची

इस सूची का उपयोग ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा चल रही टीबी गतिविधियों को ग्राम स्तर पर ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है

क्या मौजूदा ग्राम पंचायत सदस्यों को टीबी पर प्रशिक्षित किया गया है?	हां	नहीं
क्या ग्राम में बैठकों और समितियों का उपयोग टीबी मुक्त पंचायत पर चर्चा के लिए किया जाता है?	हां	नहीं
क्या टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मीडिया (आउटडोर प्लेटफॉर्म, मिड और मास मीडिया, सोशल मीडिया, आदि) और सार्वजनिक वक्तव्यों का इस्तेमाल किया जाता है?	हां	नहीं
क्या लोगों को टीबी की बीमारी, लक्षण, उपचार के स्थान और रोगियों और उनके देखभाल करने वालों के लिए स्वास्थ्य केन्द्र तथा मौजूदा योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है?	हां	नहीं
क्या समुदाय टीबी से जुड़े भ्रांतियों को कम करने की दिशा में काम कर रहा है?	हां	नहीं
क्या गांव की पीडीपी योजना में टीबी शामिल है?	हां	नहीं
क्या आशा, एएनएम, आदि कर्मचारी टीबी रोगियों के ठीक होने में सहायता कर रहे हैं?	हां	नहीं
क्या गांव के टीबी रोगियों को उपयुक्त सहायता योजनाओं से जोड़ा गया है?	हां	नहीं
क्या लोग निर्धारित टीपीटी अपनी दवाएं नियमित रूप से ले रहे हैं?	हां	नहीं

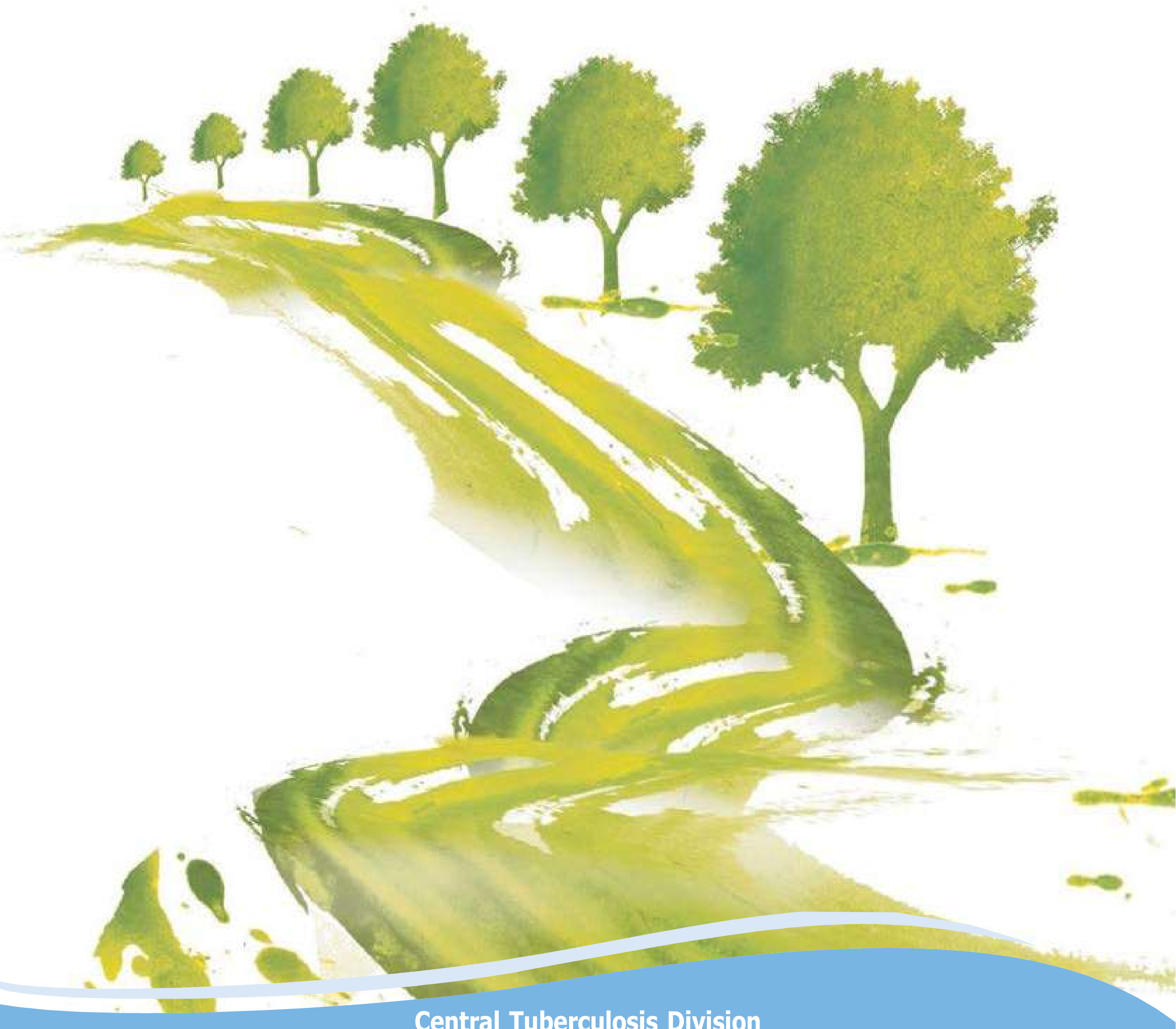

Central Tuberculosis Division

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

जीवन विहार बिल्डिंग (ग्राउंड फ्लोर), 3, संसद मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली 110001, भारत

Central TB Division | TB Mukt Bharat | TB Mukt Bharat | TB Mukt Bharat

www.tbcindia.gov.in | https://dishadashboard.nic.in

निःक्षय संपर्क हेल्पलाइन :1800-11-6666 https://www.nikshay.in/

टीबी के बारे में अधिक जानने के लिए टीबी आरोग्य साथी एप डाउनलोड करें